

Hindustan Hindi

बांसेरा में 'रंग रसरूह' उत्सव कल से शुरू होगा

नई दिल्ली। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर डीडीए द्वारा बांसेरा में 'रंग रसरूह' दो दिवसीय उत्सव शनिवार से शुरू होगा। उत्सव कई तरह की गतिविधियां पेश करेगा। इसमें कठपुतली शो, लोक संगीत, नृत्य और मैजिक शो शामिल हैं। वहीं, बच्चे 'मस्ती का अड्डा' में गेम्स, टॉय ट्रेन और राइड्स का मजा ले सकते हैं। 'हुनर गली' में पॉटरी, ब्लॉक प्रिंटिंग और मंडला आर्ट जैसी गतिविधियां होंगी।

Hindustan Times

DDA to hold fest for World Tourism Day

The Delhi Development Authority will organise a two-day festival, featuring regional cuisine, traditional crafts and cultural performances, at Baansera near Sarai Kale Khan on September 26 and 27 to mark World Tourism Day, officials said on Thursday. World Tourism Day is observed on September 27.

Dainik Jagran

‘मस्ती का अड़्डा’, टाय ट्रेन और झूलों से गुलजार होगा बांसेरा



बांसेरा पार्क में ‘रंग रस रूह’ महोत्सव के लिए चल रही तैयारियां • जागरण

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली : विश्व पर्यटन दिवस पर सराय काले खां स्थित डीडीए के बांसेरा पार्क में बच्चों के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। 26 और 27 सितंबर को होने वाले दो दिवसीय ‘रंग रस रूह’ महोत्सव में बच्चों के लिए मैजिक शो, पपेट शो, गेम्स, टाय ट्रेन और कई झूले आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

डीडीए के अनुसार, बच्चे ‘मस्ती का अड़्डा’ में गेम्स, टाय ट्रेन और झूलों का आनंद ले सकेंगे। वहीं ‘हुनर गली’ में उन्हें पोटरी, ब्लाक प्रिंटिंग और मंडला आर्ट जैसी गतिविधियों को खुद करके सीखने का मौका मिलेगा। इसके अलावा ‘बचपन की दुकान’ और ‘यादों की

गली’ भी बच्चों और परिवारों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेंगी। महोत्सव में पपेट शो, लोकगीत और लोकनृत्य के साथ मैजिक शो भी होंगे। परिवारों के लिए ‘भारत के जायके’ में बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, हिमाचल, दिल्ली और बंगाल के पारंपरिक व्यंजनों के साथ दक्षिण भारतीय भोजन और वाराणसी का पान भी उपलब्ध होगा। 26 सितंबर की शाम सूफी और गजल प्रस्तुतियां होंगी, जबकि 27 सितंबर को शाम सात बजे निजामी ब्रदर्स की लाइव कव्वाली होगी। बांसेरा सराय काले खां मेट्रो स्टेशन के सामने है और यहां पर्याप्त पार्किंग की सुविधा भी रहेगी।

Punjab Kesari

बांसेरा में कल निजामी ब्रदर्स की होगी कव्वाली



नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) सराय काले खां स्थित 'बांसेरा' में दो दिवसीय महोत्सव 'रंग रस रूह' आयोजित करने जा रहा है। 26 और 27 सितंबर को होने वाले इस महोत्सव में कला, संस्कृति और खानपान के साथ बच्चों के मनोरंजन का भी खास इंतजाम रहेगा। 27 सितंबर की शाम निजामी ब्रदर्स की लाइव कव्वाली कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण होगी। डीडीए के अनुसार, बिरसा मुंडा चौक के समीप स्थित बांसेरा में परिवारों के लिए दिनभर अलग-अलग गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें पपेट शो, लोक गायन एवं नृत्य और मैजिक शो शामिल हैं। बच्चों के लिए 'मस्ती का अड्डा' बनाया जाएगा, जहां गेम्स, टॉय ट्रेन और विभिन्न राइड्स उपलब्ध होंगी। महोत्सव में 'हुनर गली' भी खास होगी। यहां आने वाले लोग केवल हस्तशिल्प को देख ही नहीं सकेंगे, बल्कि पॉटरी, ब्लॉक प्रिंटिंग और मंडला आर्ट जैसी कलाओं को स्वयं आजमाकर सीख भी सकेंगे। इसके अलावा 'चिट्ठी घर', 'बचपन की दुकान' और 'यादों की गली' के जरिए पुराने दौर की यादों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। खानपान के शौकीनों के लिए 'भारत के जायके' में देश के अलग-अलग हिस्सों के व्यंजन उपलब्ध होंगे। इसमें बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और बंगाल के पारंपरिक व्यंजनों के साथ दक्षिण भारतीय भोजन और वाराणसी का पान भी शामिल रहेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत 26 सितंबर की शाम सूफी और गजल की प्रस्तुतियां होंगी। इसके अगले दिन यानी 27 सितंबर को शाम 7 बजे निजामी ब्रदर्स लाइव कव्वाली पेश करेंगे। डीडीए के मुताबिक कव्वाली कार्यक्रम के टिकट बुकमायशो पर उपलब्ध कराए गए हैं। सराय काले खां मेट्रो स्टेशन के ठीक सामने स्थित बांसेरा तक मेट्रो से आसानी से पहुंचा जा सकता है।

Millennium Post

Briefs

DDA to host 'Rang Ras Rooh'

NEW DELHI: The Delhi Development Authority (DDA) will host a two-day festival, 'Rang Ras Rooh', at Baansera near Birsa Munda Chowk, Sarai Kale Khan, on September 26 and 27 as part of World Tourism Day celebrations. A live qawwali performance by the Nizami Brothers on September 27 will be one of the major highlights of the festival.

Pioneer

DDA's Rang Ras Rooh festival on September 26-27

PIONEER NEWS SERVICE
■ New Delhi

The Delhi Development Authority (DDA) will organise 'Rang Ras Rooh', a two-day festival celebrating World Tourism Day, at Baansera, near Birsa Munda Chowk, Sarai Kale Khan, on September 26 and 27.

The festival will offer a range of activities for families. The daytime programme will feature puppet shows, folk singing and dance, and magic shows. Children can enjoy games, a toy train and rides at Masti Ka Adda. Hunar Gali will offer hands-on activities such as pottery, block printing and mandala art. Visitors can also explore Chitthi Ghar, Bachpan Ki Dukaan and Yaadon Ki Gali.



'Bharat Ke Zaayeke' will bring together flavours from across the country, including dishes from Bihar, Rajasthan, Maharashtra, Gujarat, Himachal Pradesh, Delhi and Bengal, along with South Indian food and Varanasi paan.

Sufi and ghazal performances will be held on the evening of September 26, and a live qawwali performance by the Nizami Brothers from 7 p.m. on September 27 will be a major highlight. Tickets for the qawwali are available on BookMyShow.

Baansera is in the heart of the city, opposite Sarai Kale Khan Metro station, with ample parking for visitors.

DDA invites residents and visitors to enjoy the World Tourism Day weekend at Baansera with family and friends, in the lap of nature.



‘रंग रसरूह’ में दिखी लोक संस्कृति

नई दिल्ली। विश्व पर्यटन दिवस को लेकर राजधानी में आयोजन शुरू हो गए हैं। डीडीए शनिवार से दो दिवसीय यमुना किनारे बांसेरा में ‘रंग रस रूह’ का आयोजन कर रहा है। उत्सव के प्रथम दिन लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली। इस दौरान युवाओं में जश्न का माहौल था। यहां अलग-अलग इलाकों के खाने, पारंपरिक कला-कारीगरी, संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने को मिले।

Amar Ujala



विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को 'रंग रस रूह' उत्सव में कार्यक्रम पेश करते कलाकार । बृहत्

बांसेरा में सजा दो दिवसीय रंग-रस-रूह का उत्सव

नई दिल्ली। विश्व पर्यटन दिवस पर शनिवार को बांसेरा पार्क में डीडीए का दो दिवसीय 'रंग रस रूह' उत्सव शुरू हुआ। इसमें विभिन्न राज्यों के पारंपरिक व्यंजन, हस्तशिल्प, लोक नृत्य और संगीत मुख्य आकर्षण रहे। पहले दिन शाम को सुफी और गजल कार्यक्रम आयोजित हुए। भारत के जायके क्षेत्र में करीब 12 राज्यों के पारंपरिक व्यंजन उपलब्ध थे। आगंतुकों ने विभिन्न राज्यों के खाने का स्वाद लिया। हुनर गली में लोगों ने पारंपरिक हस्तशिल्प को जाना और खुद बनाने का अनुभव लिया। बच्चों और बड़ों ने मिट्टी की वस्तुएं तथा लाख की चुड़ियां बनाने में रुचि दिखाई। लोक नृत्य, जादू के कार्यक्रम और बच्चों के लिए ऊंट की सवारी व खिलौना रेल जैसी गतिविधियां भी थीं। आज उत्सव के समापन समारोह में निजामी बंधु कब्बाली पेश करेंगे। इसके लिए टिकट बुक माय शो पर उपलब्ध हैं। ब्यूरो

DDA commences Rang Ras Rooh festival at Baansera to mark World Tourism Day



PIONEER NEWS SERVICE

■ New Delhi

The Delhi Development Authority (DDA) on Saturday commenced its two-day 'Rang Ras Rooh' festival at Baansera to mark World Tourism Day. The festival witnessed enthusiastic participation from visitors, bringing together regional cuisines, traditional crafts, music, cultural performances and family-oriented activities.

The festival's culinary zone, 'Bharat Ke Zaayake', emerged as a major attraction, showcasing traditional dishes and culinary specialities from around 12 states across India. Families and visitors were seen exploring the diverse flavours and regional cuisines on offer.

At 'Hunar Gali', visitors got an opportunity to experience traditional crafts first-hand through interactive activities. People of different age groups showed keen interest in trying their hand at making clay articles and creating lac bangles, engaging directly with traditional art and craft practices.

The stage remained lively with a series of cultural per-

formances. Singer Anil Bhatt's energetic performance received an enthusiastic response, with audiences seen dancing to his songs. Folk dance performances and magic shows also kept visitors engaged and added to the festive atmosphere.

Children and families enjoyed a wide range of attractions, including camel rides, a toy train, games, rides and other recreational activities. The activities drew enthusiastic participation from young visitors and added to the family-friendly character of the festival. In a statement, the Authority said the day one concluded on a melodious note with a Sufi and Ghazal evening, which added a soulful touch to the celebrations. The musical evening received an enthusiastic response from visitors, bringing the first day of the festival to a fitting close.

"The celebrations will continue on Sunday, with more activities and cultural programmes. The second day will culminate in a live qawwali performance by the Nizami Brothers from 7 PM onwards. Tickets for the musical evening are available on BookMyShow," it said.

Dainik Jagran

गीत-संगीत से सजा रंग रस रूह उत्सव

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की ओर से सराय काले खां स्थित बांसेरा पार्क में शनिवार को दो दिवसीय 'रंग रस रूह' उत्सव शुरू हुआ। यमुना किनारे आयोजित उत्सव में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। यहां देश के करीब 12 राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों के साथ हस्तशिल्प, संगीत और मनोरंजन की गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहीं। उत्सव के 'भारत के जायके' क्षेत्र में लोगों ने विभिन्न राज्यों के पारंपरिक पकवानों का स्वाद लिया। वहीं, हुनर गली में लोगों को मिट्टी के सामान बनाने और लाख की चूड़ियां तैयार करने जैसी



सराय काले खां इलाके में स्थित बांसेरा पार्क में आयोजित कार्यक्रम में लोक नृत्य की प्रस्तुति देते कलाकार • सौजन्य: डीडीए

पारंपरिक कला को करीब से समझने और आजमाने का मौका मिला। बच्चों के लिए ऊंट की सवारी, दवाय ट्रेन, खेल और विभिन्न झूलों की भी व्यवस्था की गई थी। मंच पर गायक अनिल भट्ट ने प्रस्तुति दी, जिस पर

दर्शक झूमते नजर आए। पहले दिन के कार्यक्रम का समापन सूफी और गजल संध्या के साथ हुआ। उत्सव का समापन रविवार को होगा। शाम सात बजे निजामी ब्रदर्स लाइव कव्वाली प्रस्तुत करेंगे।

TOI

Cuisine, craft, culture and more

Photos: Piyal Bhattacharjee



Folk beats, vibrant hues



Moulding memories in clay

Times News Network

New Delhi: The banks of Yamuna came alive with celebrations Saturday as Delhi Development Authority (DDA) commenced its two-day 'Rang Ras Rooh' festival at Baansera to mark World Tourism Day. The festival brought together regional cuisine, traditional crafts, music, cultural performances and family-oriented activities.

The culinary zone, 'Bharat Ke Zaayeke', emerged as a major attraction, showcasing

traditional dishes and specialities from around 12 states. At 'Hunar Gali', visitors tried their hand at traditional crafts, including making clay articles and lac bangles.

The cultural stage featured singer Anil Bhatt, whose energetic performance prompted audiences to dance along. Folk dances and magic shows also entertained visitors. Children and families enjoyed camel rides, a toy train, games and other recreational activities.

The first day concluded with a Sufi and Ghazal evening, which drew an enthusiastic response from visitors. The celebrations will continue Sunday, Sept 27, with a live qawwali performance by the Nizami Brothers from 7pm.



Music rooted in tradition



NBT

बांसेरा में रंग महोत्सव में पहुंचे 10 हजार लोग



■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** डीडीए के बांसेरा में आयोजित दो दिवसीय 'रंग रस रूह' महोत्सव का रविवार को रंगारंग समापन हुआ। महोत्सव के दोनों दिनों में करीब 10 हजार लोग बांसेरा पहुंचे। समापन समारोह में निजामी ब्रदर्स की कव्वाली मुख्य आकर्षण रही। कव्वाली की प्रस्तुति के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

**हस्तशिल्प
व क्षेत्रीय
व्यंजनों ने भी
खींचा लोगों
का ध्यान**

डीडीए के इस महोत्सव का आयोजन लोगों को दिल्ली के हरित स्थल बांसेरा में कला, संस्कृति, खानपान और मनोरंजन से जोड़ने के उद्देश्य से किया गया था। यहां अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों के हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों के स्टॉल लगाए गए। क्षेत्रीय व्यंजनों के स्टॉल पर भी लोगों की भीड़ रही। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए देश की अलग-अलग लोक परंपराओं और कलाओं को प्रदर्शित किया गया। दो दिन चले इस रंगारंग आयोजन में बच्चों के लिए भी कई गतिविधियां रखी गई थीं।

Amar Ujala

रंग रस रूह महोत्सव : छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलायी के...

नई दिल्ली। बांसेरा पार्क में आयोजित दो दिवसीय 'रंग रस रूह' महोत्सव के दूसरे दिन लोगों को मनोरंजन के साथ पुरानी यादें ताजा करने का अवसर मिला। शाम को निजामी ब्रदर्स की सूफियाना कव्वाली ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। दर्शकों ने कव्वाली की धुन पर झूमते हुए खूब तालियां बजाईं।

निजामी ब्रदर्स ने अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में समां बांध दिया। उन्होंने 'कोई पुकारे अल्लाह तुझको, कोई कहे भगवान, तुम एक गोरखधंधा हो' और 'छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलायी के जैसी लोकप्रिय कव्वालियां पेश कीं। महोत्सव में यादों

की गली प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही। यहां पुराने विंटेज फोटो बूथ, कठपुतली शो और बायस्कोप ने लोगों को बचपन की यादें दिलाईं। चिट्ठी घर में पुराने डाक टिकटों और चिट्ठियों के माध्यम से बीते दौर की झलक दिखाई गई।

यह वह समय था जब चिट्ठियां ही संवाद का मुख्य जरिया थीं। महोत्सव में 'हुनर गली' में देश की पारंपरिक कला और हस्तशिल्प का प्रदर्शन किया गया। इसमें मिट्टी के बर्तन बनाना, लाख की चूड़ियां, मेहंदी और मंडला कला शामिल थी। भारत के जायके में विभिन्न राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लोगों को खूब भाया। ब्यूरो

Hindustan Hindi



बांसेरा पार्क में विश्व पर्यटन दिवस पर दो दिवसीय आयोजन संपन्न हुआ। रविवार को भी काफी संख्या में लोग महोत्सव में लुत्फ उठाने के लिए पहुंचे। • हिन्दुस्तान

Pioneer



Around 10,000 people visited during the two days of the 'Rang Ras Rooh' festival organised by the Delhi Development Authority (DDA) at Baansera to mark World Tourism Day

PTI

यमुना तीरे सजी महफिल, निजामी ब्रदर्स की कव्वाली पर झूमे लोग

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: यमुना किनारे स्थित बांसेरा पार्क में चल रहे दो दिवसीय रंग रस रूह उत्सव का समापन रविवार को निजामी ब्रदर्स की सुफियाना प्रस्तुतियों के साथ हुआ। 'कोई पुकारे अल्लाह तुझको, कोई कहे भगवान', 'हो भी नहीं और हर जगह हो' और 'छाप तिलक सब छीनी रे मोसे नैना मिलाइके' जैसे कलामों पर दर्शक देर तक झूमते रहे। निजामी ब्रदर्स की प्रस्तुति को सुनने के लिए दिल्ली समेत एनसीआर के विभिन्न इलाकों से लोग आए हुए थे। उन्होंने उनकी हर प्रस्तुति पर तालियों से उनका स्वागत किया।

उत्सव में संगीत और मनोरंजन के साथ देश की कला, संस्कृति और पारंपरिक विरासत की भी झलक देखने को मिली। हुनर गली में मिट्टी के बर्तन बनाना, लाख की चूड़ियां तैयार करना, मेहंदी और मंडला कला समेत कई पारंपरिक कलाएं आकर्षण का केंद्र रहीं। लोगों ने इन वस्तुओं की खरीदारी के



बांसेरा पार्क में 'रंग रस रूह महोत्सव' में कव्वाली की प्रस्तुति देते निजामी ब्रदर्स। • विपिन शर्मा

साथ उन्हें बनाने की प्रक्रिया भी जानी और कई लोगों ने खुद इन कलाओं को आजमाया।

'भारत के जायके' में विभिन्न राज्यों के व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए भी लोगों की भीड़ रही। वहीं रंग-बिरंगी रोशनी, कठपुतली शो, बायस्कोप और

इमली की खट्टी-मीठी कैंडी ने उत्सव को पुराने दौर की यादों से जोड़ दिया। बच्चों के लिए नए खेल और झूले आकर्षण का केंद्र रहे, जबकि बड़ों को बचपन की यादें ताजा करने का मौका मिला। मेले में अलग-अलग थीम पर बनाए गए जेन लोगों को खूब आकर्षित

- यमुना किनारे स्थित बांसेरा पार्क में चल रहे दो दिवसीय रंग रस रूह उत्सव का हुआ समापन
- 12 राज्यों के हस्तशिल्प उत्पाद खरीदने के साथ स्थानीय खानपान का भी लिया स्वाद

करते रहे। 'यादों की गली' में विंटेज फोटो बूथ, कठपुतली शो और बायस्कोप ने लोगों का ध्यान खींचा। बायस्कोप देखकर कई लोगों को वह दौर याद आया, जब मनोरंजन के साधन सीमित थे और छोटी-छोटी चीजें बच्चों के लिए बड़ी खुशी बन जाती थीं। 'चिट्ठी घर' में पुराने डाक टिकटों ने भी लोगों को उस समय की याद दिलाई, जब मोबाइल और इंटरनेट नहीं थे और चिट्ठी के जवाब का इंतजार रिश्तों का अहम हिस्सा हुआ करता था। कई बच्चों ने उत्साह से चिट्ठियां भी डालीं।